प्रकाशनार्थ / प्रसारणार्थ

श्रमिक सेस का 1200 करोड़ जमा, श्रमिकों के कल्याण पर होंगे खर्च– उपमुख्यमंत्री

पटना 18.09.2018

श्रम संसाधन विभाग की ओर से विश्वकर्मा पूजा के मौके पर आयोजित 'श्रम कल्याण दिवस' समारोह को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार के 10 लाख मजदूर बिहार भवन व अन्य संनिर्माण कल्याण बोर्ड में निबंधित है। श्रमिक सेस के तौर पर बोर्ड में जमा 1200 करोड़ रुपये कार्ययोजना बना कर श्रमिक कल्याण पर खर्च किए जायेंगे। विगत वर्ष 2017–18 में दूसरे राज्यों में काम करने गए 155 मजदूरों को प्रवासी मजदूर अनुदान योजना के तहत 1–1 लाख का अनुदान तथा बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र योजना के तहत 255 मजदूरों को मृत्युहित लाभ, विवाह व मातृत्व लाभ से लाभान्वित किया गया है।

श्री मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में अधिक से अधिक मजदूरों को अप्रेंटिस योजना के तहत व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जायेगा। हुनरमंद मजदूरों की चिन्ता राज्य सरकार कर रही है। श्रम संसाधन विभाग के एक अधिकारी की प्रतिनियुक्ति दिल्ली में की गई है जो प्रवासी मजदूरों के हित का ध्यान रखते हैं।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों की परिभाषा बदल गयी है। पहले हाथ से काम करने वाले श्रमिक माने जाते थे अब डिजिटल और स्पीड का जमाना है। आगे बढ़ने के लिए तकनीक को अपनाने की जरूरत है।

इस मौके पर राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा चयनित व अनुशंसित 106 श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम को श्रम संसाधन विभाग के मत्री श्री विजय कुमार सिन्हा और विभागीय प्रधान सचिव दीपक कुमार सिंह ने सम्बोधित किया व श्रमायुक्त गोपाल मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।